आज से आईआईएम कॉनक्लेव प्रबोधन

यंग रिपोर्टर, इंदौर। आईआईएम इंदौर में एकेडेमिया के अंतर्गत पोस्ट ग्रेज्यूएट प्रोग्राम शुरू किया गया है। इस अवसर पर संस्थान द्वारा ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट विभाग द्वारा 12 अगस्त को कॉनक्लेव प्रबोधन-2016 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर वॉल्वो के मैनेजिंग डायरेक्टर कमल बाली, ग्लोबल एचआर की डिप्टी हेड डॉ. ऋतु आनंद, ओनिडा के फार्मर सीईओ यशो वी. वर्मा के साथ ही 10 अन्य स्पीकर्स स्टूडेंट्स को अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी प्रबंधन की वास्तविकता से रूबरू कराएंगे। ट्रांसफार्मिंग इंडिया, टैलेंट इक्वीजिशन डेलिमा, मैनेजिंग डिस्ट्रप्शन, लीडरशिप इन एडवर्सिटी और ऑर्गेनाइजेशन कल्चर पर कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

Peoples Samachar,
August 12, 2016,
Page-6

आईआईएम में आज और कल जुटेंगे देश के टॉप एचआर प्रोफेशनल्स

ईपीजीपी ऑर्गनाइज़ कर रहा दो दिवसीय एचआर और लीडरशिप कॉनक्लेव

CONCLAVE

सिटी रिपोर्टर • इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर में गुरुवार से दो दिवसीन एचआर और लीडरशीप कॉन्क्लेव प्रबोधन आयोजित होने जा रहा है। देश के नामी कंपनियो के ह्यूमन रिसोर्स हेड इसमें शिरकत करेंगे। कांफ्रेंस का उद्देश्य ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट में नए ट्रेंड्स और बदलावों के बारे में बिज़नेस और एचआर लीडर्स के अनुभवों को केपिटलाइज़ करना। कॉनक्लेव का आयोजन एग्ज़ीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपी) कर रहा है।

ये होंगे शामिल

कॉनक्लेव में वॉल्वो के एमडी कमल बाली, डॉ. रितु आनंद, डेप्यूटी हेड ग्लोबल एचआर टीसीएस, डॉ. वाय.वी. वर्मा एक्स सीओओ एलजी सहित कई अन्य लोग शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में हाउ टू लीवरेज डाटा एंड इनसाइट इन एचआर, ऑर्गनाइज़ेशनल कल्चर, टू बेल ऑर नॉट टू बेल, ही 4 शी, लीडरशीप इन एडवर्सिटी, अकाउंटिंग फॉर ह्यूमन हेल्प, हायरिंग- पर्सन वर्सेस पर्सनालिटी पर डिस्कशन होगा।

Dainik Bhaskar, August 12, 2016, Page-II (City Bhaskar)

'Responsible growth crucial for transforming business'

Leadership, HR Conclave Held At IIM-I

TIMES NEWS NETWORK

Indore: If the demographic dividend of India is not sensitised about the economic disparities prevalent in the country, it will turn into a demographic nightmare, said Kamal Bali, managing director (MD) Volvo India on Friday .

He was speaking at 'Prabodhan,' a human resource and leadership conclave held at the Indian Institute of Management-Indore (IIM-I). Bali pointed out responsible growth to be the most crucial factor in transforming the business landscape of the country. "Our gross domestic product (GDP) hides our problem of poverty. There is no point in celebrating this kind of growth when there are so many have-nots in the system," he said.

Bali and other leading HR professionals predicted that even China will transform into a consumer-led economy from a capital-led. "A change in approach is the need of the hour as the world is gradually realising that we have already exhausted 40 per cent of the resources we owe to the next generation," Bali added.

Rishikesha T Krishnan, Director, IIM -I, also indicated factor, which is largely unanticipated, but has serious implications on business.

Pravin Barnale

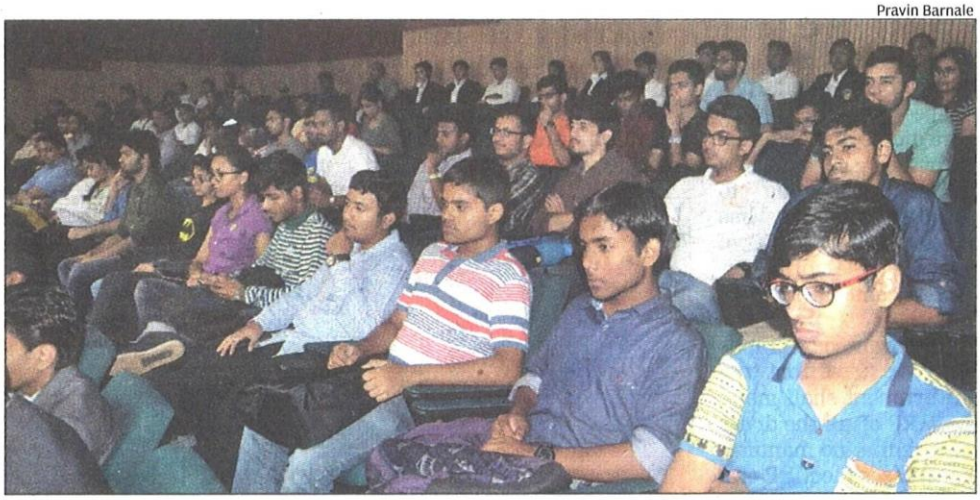

Students at Human Resource and Leadership conclave at IIM-Indore on Friday

Students get lesson in leadership skills

TIMES NEWS NETWORK

Indore: As students of Indian Institute of Management (IIM), Indore listened to India Inc. eminent speakers, who were sharing their experiences of the corporate world, they not only took down their advice, but also visualized themselves in the shoes of those industrial heavy weights.

'Prabodhan,' 2016, a human resource and leadership conclave, allowed the students to extend their learning from the classrooms to interactive forums and hobnob with industry veterans in the areas of HR management and leadership.

"Prabodhan means enlightenment in Sanskrit. The event is nothing short of that as it helped us to broaden our perspective on growth," said Hiral Shah, an Executive Post Graduate Programme (EPGP) student after listening to the speakers. She endorsed the view of the chief guest, Kamal Bali, Managing Director (MD), Volvo India, that responsible growth is the most crucial factor in transforming India, rather than competitive growth.

Malvika Yadav, another student of the Five Year Integrated Programme in Management, said that the institute keeps offering such opportunities of holistic development besides the usual curriculum.

"The role of HR managers is crucial as it combines all other resources, tangible or intangible and directs them towards organisational growth

Prashant Salwan |
CHAIRPERSON, EPGP

"Data analytics are merely figures in isolation. A good HR manager has to correlate them with the people in order to use them effectively

Ruhie Pandey |
VICE PRESIDENT HR, KAYA LTD

The Times of India, August 13, 2016, Page-4

'ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' और 'फ्यूचर ऑफ वर्क' विषय पर हुई चर्चा

कॉनक्लेव प्रबोधन

भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर (आईआईएम) में शुक्रवार को दो दिवसीय कॉनक्लेव प्रबोधन की शुरुआत हुई। इस अवसर पर वॉल्वो इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर कमल बाली और टीसीएस की डिप्टी हेड डॉ. रितु आनंद और अर्न एंड यंग के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अरविंद उसरेते ने स्टूडेंट्स को अलग-अलग विषयों पर संबोधित किया।

यंग रिपोर्टर ● इंदौर
editor@peoplessamachar.co.in

ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया विषय पर अपने विचार रखते हुए वॉल्वो डायरेक्टर कमल बाली ने कहा कि हम ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव भरे पड़े हैं। भारत के लिए अब समय आ गया है कि बेहतर करने के लिए कदम बढ़ाना ही होगा। इसकी जिम्मेदारी भारत के युवाओं पर है, जो देश को अगले स्तर पर ले जाएंगे।

फ्यूचर ऑफ वर्क विषय पर अपने विचार रखते हुए अरविंद ने कहा कि युवाओं को भविष्य में होने वाले कार्यों को निर्धारित करते हुए ही आगे बढ़ना चाहिए। युवाओं को समय के साथ ही परिवर्तनों को भी समझते हुए चलना होगा, तभी कुछ किया जा सकता है। एक बेहतर भविष्य को तैयार किया जा सकता है।

टैलेंट मैनेजमेंट विषय पर डॉ. आनंद कहा कि सपनों को वास्तविकता में देखना चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए काम भी करना चाहिए। हमें एक पैटर्न में काम करने की जरूरत है, ताकि मिलकर समाज के लिए कुछ बेहतर किया जा सके। उन्होंने बताया कि कॉलोब्रेशन और डायवर्सिटी बेहद जरूरी है। हमें इन्हें अचीव करना सीखना होगा।

कमल बाली, वॉल्वो।

अरविंद उसतेरे, अर्न एंड यंग

Peoples Samachar, August 13, 2016, Page-6

'आईआईएम में प्रैक्टिकल नॉलेज पर रहेगा फोकस'

ईपीजीपी के लिए एचआर एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ● देश की युवा पीढ़ी को हायर एजुकेशन देने के लिए हर स्तर पर कोशिश की जा रही है। देश के सामने ये बड़ी चुनौती बना हुआ है। इंस्टीट्यूट में मिलने वाले नॉलेज को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप बनाना भी चुनौती है। इससे निपटने के लिए आईआईएम में अब थ्योरी से ज्यादा प्रैक्टिकल नॉलेज देने पर फोकस किया जाएगा।

आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेष टी. कृष्णन ने ये बात शुक्रवार को ईपीजीपी स्टूडेंट्स के कॉन्क्लेव के दौरान कही। प्रो. कृष्णन ने कहा, 'इंडस्ट्री को भी स्टूडेंट्स के लिए इंस्टीट्यूट से हाथ मिलाकर चलना होगा।' वॉल्वो इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर कमल बाली और ईपीजीपी के चेयरमैन प्रो. प्रशांत सालवान भी स्टूडेंट्स से रूबरू हुए। बाली ने ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया विषय पर प्रेजेंटेशन देते हुए कहा, 'ये समय देश के युवाओं के आगे आने का है। युवाओं का प्रयास ही तय करेगा कि अगले दौर में हमारा देश किस स्थिति में रहेगा।'

Patrika, August 13, 2016, Page-19

'मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत'

आईआईएम में हुए एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम में बोले विशेषज्ञ

इंदौर। लाइव रिपोर्टर

ग्रामीण इलाकों में रहने वाली 60 फीसदी जनसंख्या आज भी खेती-किसानी करती है, लेकिन उसकी देश की जीडीपी में महज 17 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि शहरों में रहने वाली 40 फीसदी जनता जीडीपी में 83 प्रतिशत सहयोग कर रही है। अर्थव्यवस्था के इस बिगड़े ढांचे के चलते विकास सही दिशा में नहीं हो रहा है, जिसे सुधारने की जरूरत है।

यह बात वाल्वो इंडिया के एमडी कमल बाली ने शुक्रवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में कही। एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम (ईपीजीपी) विद्यार्थियों के प्रबोधन-2016 कार्यक्रम की शुरूआत हुई। एमडी बाली ने कहा कि खेती-किसानी करने में परिवार के कई लोग बरसों से लगे हुए हैं, मगर आमदनी ज्यादा नहीं होती है। अब सरकार को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर ज्यादा ध्यान देना

कमल बाली

होगा। कारण यह है कि इसमें 9 गुना रोजगार अधिक मिलते है, जिससे मैनपावर को बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया जा सकेगा। देश में काबिल लोगों की कमी नहीं है। बस उन्हें मौका नहीं मिल रहा है। प्रेजेंटेशन में उन्होंने कई चुनौतियों के बारे में भी जिक्र किया। कार्यक्रम में आईआईएम के डायरेक्टर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने भी संस्था से संचालित कोर्स व प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी।

जीडीपी और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में देश की प्रगति पर विशेषज्ञ का व्याख्यान सुनते फैकल्टी मेंबर।

निवेश : विदेशी कंपनियां तैयार

वाली ने कहा कि देश में कई विदेशी कंपनियां निवेश के लिए तैयार है। शहरों को आपस में कनेक्टिविटी के अलावा नीतियों में संशोधन करना होगा। फिलहाल लॉजिस्टिक में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है। 2015 में 13 फीसदी की गति से इस सेक्टर में ग्रोथ हो रही है, जो 2032 में घटकर 8 फीसदी रह जाएगी।

कंपनी में एचआर की भूमिका अहम

कार्यक्रम के दूसरे चरण में पैनल डिसक्शन रखा गया। डेटा और इनसाइट्स इन एचआर पर कैलिडस क्लाउड इंडिया के एचआर हेड असीम रिजवी, काया की एचआर वाइस प्रेसिडेंट रूही पांडे और केपीएमजी के सीनियर कंसल्टेंट मंदार पावडे ने चर्चा की। काया की रूही ने कहा कि कंपनी में एचआर स्टॉफ और मैनेजमेंट के बीच ब्रिज का काम करता है, मगर इन दिनों स्टॉफ की काबिलियत से जुड़ा डेटा रखना होता है, ताकि इसके आधार पर स्टाफ जिम्मेदारी दी जा सके, जबकि मंदार ने कहा कि एचआर पॉलिसी के बारे में स्टॉफ को खुलकर बताने की जरूरत है।

Naidunia, August 13, 2016, Page-21

'Future managers will have to gear up for global challenges'

TIMES NEWS NETWORK

TOI

Human resource & leadership conclave ended at IIM-I on Saturday

Indore: As domestic businesses are going global, the challenges being faced by future managers will be different from the current ones, said Yasho V Verma, former chief operating officer (COO), LG Electronics, on Saturday.

Conditioning oneself to foreign land will be a major challenge for future leaders, who want to go global, he said while addressing the students of the Indian Institute

HR CONCLAVE

of Management, Indore (IIM-I) on the second and concluding day of Prabodhan 2016, a human resource and leadership conclave.

"Before taking a path of career in global direction, you usually need to find out whether you would be able to eat the food at the place you are going or not? Can you learn the language the country speaks, tolerate habits of people there and what are you going to do when you have a child in the foreign country. These challenges could decide whether you would take your career to a global path," said Verma.

Verma added that it is essential for the organisations to catch the two rabbits – revenue and profit – which are running in different directions. "The way industry and corporates are changing drastically, performance and results are becoming more and more superior aspects of being called successful." Another speaker at the event, Deepak Bharara, chief HR officer, Lanco Infratech, stressed on the significance of organisational culture in the growth of the business.

He said that the best parameter to ascertain the culture of an organisation is to examine the environment of its canteen, reception, urinals, washrooms and the store. "Culture is what we do when no one is looking at us," said Bharara.

Sunday Times, August 14, 2016, Page - 03

बिजनस में रेवेन्यू और प्रॉफिट दोनों हासिल करना चैलेंज

एचआर एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव हुआ

इंदौर ● आज मार्केट पूरी तरह से बदल चुका है। बिजनेस में युवा पीढ़ी के सामने प्रॉफिट और रेवेन्यू दोनों को हासिल करना सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि दोनों ही अलग-अलग दिशाओं में जाते है।

शनिवार को आईआईएम इंदौर में एचआर एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव में ईपीजीपी स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए यह बात एलजी के पूर्व सीओओ यशो वी. वर्मा ने कही। फ्यूचर बिजनेस चैलेंजेस विषय पर संबोधन में उन्होंने कहा कि वैश्विक दिशा में कॅरियर बनाने से पहले हमें परिस्थितियों की अनुकूलता देखना चाहिए। जगह की भाषा और खान-पान को भी ध्यान रखें। कॉन्क्लेव के अंतिम दिन लैंगिक समानता, अवरोधों, विविधता, संगठनात्मक संस्कृति और भविष्य में व्यवसाय से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। क्रॉम्प्टन ग्रीव्ज के ईवीपी एंड ग्लोबल हैड संजय सिंह ने कॉस्ट रिडक्शन का महत्व समझाते हुए कहा कि भले ही कंपनी की आय कम या ज्यादा हो, लेकिन कॉस्ट रिडक्शन पर ध्यान जरूरी है। ही ऑर शी पर पेनल डिस्कशन में सुरभि मित्तल, विंसी अब्राहम, चितावन बोहरा, एसके घोष ने विचार रखे। सुरभि ने कहा जिस प्रकार एक रंग से इंद्रधनुष नहीं बनता, वैसे ही समाज भी किसी ही या शी का मोहताज नहीं है। मेजर जनरल राज शुक्ला ने विपरीत परिस्थितियों मे नेतृत्व पर अपनी बात रखी।

Patrika, August 14, 2016, Page - 18 (City Live)